an>

Title: Regarding reducing of Plastics.

श्री अजय मिश्रा टेनी (खीरी) : महोदय, मैं आपकी अनुमति से प्लास्टिक रीसाइक्लिंग से संबंधित लोक महत्व के विÂाय को शून्यकाल में उठाना चाहता हूँ।

महोदय, प्लास्टिक दुनिया भर में पर्यावरण के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है। एक अनुमान के अनुसार अब तक दुनिया में 5 अरब टन प्लास्टिक का उत्पादन हो चुका है, जिसमें केवल 14 प्रतिशत की अभी तक रीसाइक्लिंग हो पाई है। ऐसी जानकारी आयी है कि प्रतिÂिठत शोधपत्र एकेडेमिक जनरल साइंस में प्रकाशित शोध पत्र के मुताबिक क्योटो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने इंडियोनेला सकाईनेसिस नामक बैक्टीरिया की पहचान की है।

यह पॉलीथिलीन टैरेप्थालेट यानी पीईटी के यौगिक को खंडित कर सकते हैं। आम तौर पर यह धारणा है कि प्लास्टिक को नÂट नहीं किया जा सकता, परंतु अब शोधकर्ताओं ने बताया है कि यह बैक्टीरिया पीईटी को हाइड्रोलिटिक रूप से विखंडित कर पानी में बदलने की प्रक्रिया करने के लिए दो एंज़ाइम्स का इस्तेमाल करते हैं। ये एंज़ाइम्स बैक्टीरिया की ऊर्जा की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए पीईटी के साथ क्रिया करके उन्हें मौलिक तत्वों में तब्दील कर देते हैं। यह प्लास्टिक से परेशान देशों के लिए एक महत्वपूर्ण खोज है। भारत एक विशाल देश है, जहाँ प्लास्टिक का उपयोग अनेक कार्यों में होता है। ...(व्यवधान)

HON. DEPUTY-SPEAKER: Shri Bhairon Prasad Mishra, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Sharad Tripathi and Dr. Kirit P. Solanki are permitted to associate with the issue raised by Shri Ajay Mishra Teni.